ALL INDIA FORUM AGAINST PRIVATISATION

AN ATTACK ON ONE IS AN ATTACK ON ALL!

6 जुलाई 2021

श्री एस.एन. पाठक,
अध्यक्ष,
अखिल भारतीय रक्षा कर्मचारी संघ (AIDEF)

ऑल इंडिया फोरम अगेंस्ट प्राइवेटाइजेशन (AIFAP) की ओर से हम आपके संघर्ष के प्रति अपना तहे दिल से समर्थन व्यक्त करते हैं, जो ऑल इंडिया डिफेन्स एम्पलोयीज फेडरेशन, (AIDEF) और अन्य दो फेडरेशनों ने उस कठोर 'आवश्यक रक्षा सेवा अध्यादेश, 2021' का विरोध करने के लिए किया है, जिसे केंद्र सरकार ने रक्षा उत्पादन क्षेत्र के श्रमिकों का संघर्ष को सिर्फ़ कुचलने के लिए पारित किया है ।

यह अध्यादेश सेना से जुड़े उन सभी मजदूरों के प्रदर्शन व हड़ताल करने के उचित अधिकार को छीन लेता है जो रक्षा उपकरण उत्पादन, सेवाओं और संचालन से जुड़े हैं या रक्षा सम्बन्धी किसी औद्योगिक प्रतिष्ठान के साथ-साथ रक्षा उत्पादों की मरम्मत और रखरखाव में कार्यरत हैं ।

हम उस लड़ाई का भी समर्थन करते हैं जो AIDEF अन्य दो फेडरेशनों के साथ केंद्र सरकार के आयुध निर्माण बोर्ड (OFB) को भंग करने और इसे 7 निगमों में बदलने के निर्णय का विरोध करने के लिए लड़ रही है। जैसा कि कई अन्य क्षेत्रों में किया गया है, यह कदम रक्षा उत्पादन क्षेत्र के निजीकरण की दिशा में पहला कदम है। यह प्रयास पहले भी कई बार किया जा चुका है, लेकिन हमारे रक्षाकर्मियों के एकजुट संघर्ष ने इसे विफल कर दिया है। आयुध कारखानों के निगमीकरण के सभी पिछले प्रयासों को सफलतापूर्वक हराने के लिए आपने जो संयुक्त संघर्ष किया है, हम उसकी सराहना करते हैं।

रक्षा क्षेत्र का निजीकरण एक राष्ट्र-विरोधी, मजदूर-विरोधी, जन-विरोधी और समाज-विरोधी कदम है। बार-बार, हम मजदूरों ने पाया है कि सार्वजनिक क्षेत्र या सरकारी उद्यम के निजीकरण के कारण सैकड़ों मजदूरों को उनकी नौकरी से निकाल दिया गया है।

आयुध कारखानों का निर्माण हजारों मजदूरों के दशकों से और सार्वजनिक धन का उपयोग करके किया गया है। उनके पास पूरे देश में प्रमुख स्थानों में 60,000 एकड़ से अधिक की विशाल मात्रा में भूमि भी है। इन्हीं मूल्यवान संपत्तियों को केंद्र सरकार लालची इजारेदार पूंजीपतियों को सौंपने की योजना बना रही है। ये संपत्ति भारत के लोगों की संपत्ति है और इसे निजी लाभ के लिए नहीं सौंपा जा सकता है।

केंद्र सरकार ने निगमीकरण और निजीकरण के माध्यम से सभी सरकारी-स्वामित्व वाले और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों पर चौतरफा युद्ध की घोषणा की है। हम सभी के एकजुट संघर्ष ही इन मजदूर-विरोधी, जन-विरोधी कदमों को रोक सकते हैं।

आपकी एकजुटता में,

ऑल इंडिया फोरम अगेंस्ट प्राइवेटाइजेशन (एआईएफएपी)

घटक:

1) ऑल इंडिया कोल वर्कर्स फेडरेशन (AICWF),

2) ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ पावर डिप्लोमा इंजीनियर्स (AIFPDE),
3) ऑल इंडिया गार्ड्स काउंसिल (AIGC),
4) ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन (AILRSA),
5) ऑल इंडिया पॉइंट्समैन एसोसिएशन (AIPMA),
6) ऑल इंडिया पोर्ट एंड डॉक वर्कर्स फेडरेशन (AIPDWF),
7) ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन (AIPEF),
8) ऑल इंडिया रेलवे एम्पलोयीज कॉन्फेडरेशन (AIREC) - पश्चिमी क्षेत्र,
9) ऑल इंडिया रेलवेमेन्स फेडरेशन (AIRF),
10) ऑल इंडिया रेलवे ट्रैक मेंटेनर्स यूनियन (AIRTU),
11) ऑल इंडिया स्टेशन मास्टर्स एसोसिएशन (AISMA),
12) ऑल इंडिया ट्रेन कंट्रोलर्स एसोसिएशन (AITCA),
13) भारत पेट्रोलियम टेक्नीकल और नौन- टेक्नीकल एम्पलोयीज एसोसिएशन (BPTNTEA) - मुंबई रिफाइनरी,
14) चित्तरंजन लोको वर्क्स (CLW) रेलवेमेन्स यूनियन, चित्तरंजन, पश्चिम बंगाल,
15) चित्तरंजन रेलवेमेन्स कांग्रेस (CRMC), चित्तरंजन, पश्चिम बंगाल,
16) कोचीन रिफाइनरी एम्पलोयीज एसोसिएशन (CREA-INTUC),
17) डीएमडव्ल्यू रेलवे वर्कर्स यूनियन (DMWRWU), पटियाला, पंजाब,
18) दक्षिण रेलवे एम्पलोयीज यूनियन (DREU),
19) डीजल लोको आधुनिकीकरण वर्क्स (DMW) रेलवेमेन्स यूनियन, पटियाला, पंजाब,
20) डीजल लोको वर्क्स (DLW) मेन्स यूनियन, वाराणसी, उत्तर प्रदेश,
21) हिंदुस्तान पेट्रोलियम एम्पलोयीज यूनियन, विशाखापत्तनम रिफाइनरी,
22) हिंद खदान मजदूर फेडरेशन (HKMF),
23) इंटीग्रेटेड कोच फैक्ट्री (ICF) लेबर यूनियन, चेन्नई, तमिलनाडु,
24) इंडियन रेलवे लोको रनिंगमेन ऑर्गनाइजेशन (IRLRO),
25) इंडियन रेलवे टिकटचेकिंग स्टाफ ऑर्गनाइजेशन (IRTCSO),
26) इंटीग्रल कोच फैक्ट्री मजदूर संघ (ICFMS), चेन्नई, तमिलनाडु,
27) कामगार एकता कमिटी (KEC),
28) लोक राज संगठन (LRS),
29) महाराष्ट्र स्टेट बैंक कर्मचारी संघ (MSBEF),
30) महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी वर्कर्स फेडरेशन (AITUC),
31) मेन्स कांग्रेस डीजल लोको वर्क्स (MCDLW) वाराणसी, उत्तर प्रदेश,
32) नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन रेलवेमेन (NFIR),
33) पुरोगामी महिला संगठन (PMS),
34) रेल कोच फैक्ट्री मेन्स कांग्रेस (RCFMC), रायबरेली, उत्तर प्रदेश,
35) रेल कोच फैक्ट्री मजदूर यूनियन (RCFMU), कपूरथला, पंजाब,
36) रेल कोच फैक्ट्री (RCF) मेन्स यूनियन, कपूरथला, पंजाब,
37) रेल कोच फैक्ट्री (RCF) मेन्स यूनियन, रायबरेली, उत्तर प्रदेश,

38) रेल व्हील फैक्ट्री कार्मिक संघ (RWFKS), बैंगलोर, कर्नाटक,

39) रेल व्हील फैक्ट्री (RWF) मजदूर यूनियन, बैंगलोर, कर्नाटक,

40) रिसर्च डिजाइन और स्टेंडर्ड ऑर्गनाइजेशन (RDSO) कर्मचारी संघ, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।